युवा जीवन

अगस्त 2023

जागो और प्रार्थना करो!

देश और नष्ट होने वाली आत्माओं
को विनाश से बचाने के लिए !!

प्रस्तावना

सावधान रहें!

प्रिय युवा दिलों को प्यार भरा नमस्कार!

भारतीय राष्ट्र को झकझोर देने वाली सबसे बड़ी घटना 26 नवंबर 2008 को हुआ जघन्य मुंबई आतंकवादी हमला था। उस हमले को 28/11 भी कहा जाता है। 10 पाकिस्तान के आतंकवादियों ने मुंबई में 12 स्थानों पर गोलीबारी और बम हमले किए, जिसमें 17 देशों के 175 लोग मारे गए और 8 देशों के 300 लोग घायल हो गए.

तीन दिनों के बाद एनएसजी बल और पुलिस विभाग ने सभी समस्याओं पर काबू पा लिया। इस बचाव अभियान में 15 पुलिसकर्मियों और 2 एनएसजी कमांडो की जान चली गई।

कई रिपोर्टों में कहा गया है कि कुछ लोगों की सतर्कता की कमी के कारण मुंबई शहर को इतनी बड़ी आपदा या हमले का सामना करना पड़ा। जब 10 आतंकवादी मुंबई के एक हिस्से में उतरे, तो वहां के मछुआरों ने उनसे पूछताछ की थी कि वे कौन हैं।

उन पर शक करते हुए इन मछुआरों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया था लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की। और यही आतंकवादी ताज होटल में रुके थे और निगरानी कर रहे थे। कहा जाता है कि वे आधी रात को इमारत की प्रत्येक मंजिल पर गए और योजना को अंजाम देने के लिए प्रशिक्षण लिया। यह भी कहा जाता है कि 2 लोगों ने उनकी मदद के लिए सिम कार्ड खरीदे थे।

इसका कारण यह है कि हमारे देश में कौन आ रहा है, इसके बारे में हम सतर्क नहीं हैं, फिर भी हमारे देश में समय-समय पर आतंकवादी गतिविधियां होती रहती हैं। जब एक योद्धा जिसे सतर्क रहना चाहिए वह अपना काम भूल जाता है, तो ऐसी बड़ी दुर्घटनाएं होने की संभावना होती है।

मेरे प्यारे युवाओ! परमेश्वर चाहता है कि आप एक सतर्क योद्धा बनें। एक ओर तो आपको उसके आगमन के लिए सतर्कतापूर्वक तैयार रहना चाहिए। दूसरी ओर, उसके आगमन के लिए भीड़ को तैयार करने के लिए भी आपको सतर्क रहना चाहिए।

यदि आप सोएंगे, तो शत्रु 'जंगली बीज' नामक खतरा, 'पाप' नामक लज्जा और 'वासना' नामक हत्यारा बोता रहेगा।

आपकी अनिद्र और अश्रुपूर्ण प्रार्थनाएँ, आपकी भूमि को दुश्मन के जाल से बचाएंगी।

आपके हृदय का बोझ और आपके सुसमाचार प्रचार करने वाले पांव आपके राष्ट्र को जागृति की दिशा में ले जाएंगे।जागो युवा पीढ़ी, सतर्क बनो।

आपका देश आपके हाथ में है, अपने राष्ट्र को प्रार्थना और सुसमाचार से भर दें!

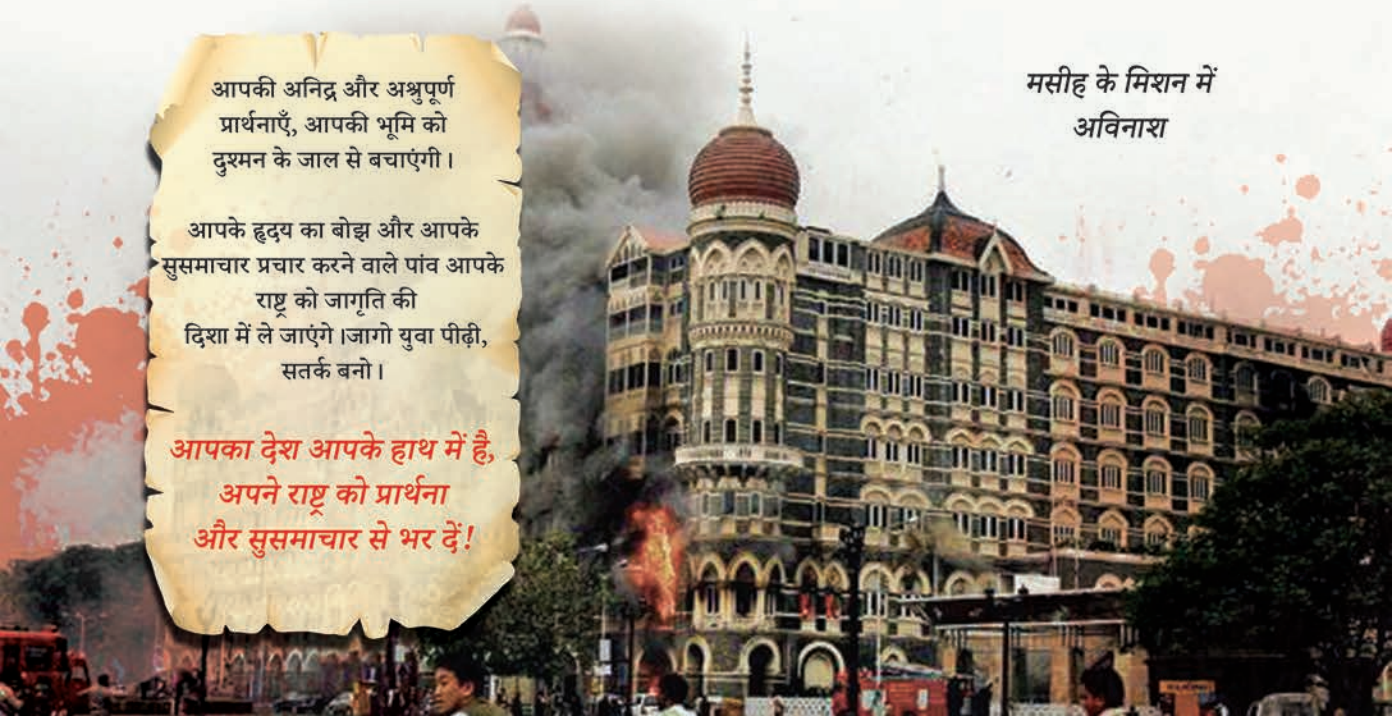

मसीह के मिशन में
अविनाश

परामर्श में महान

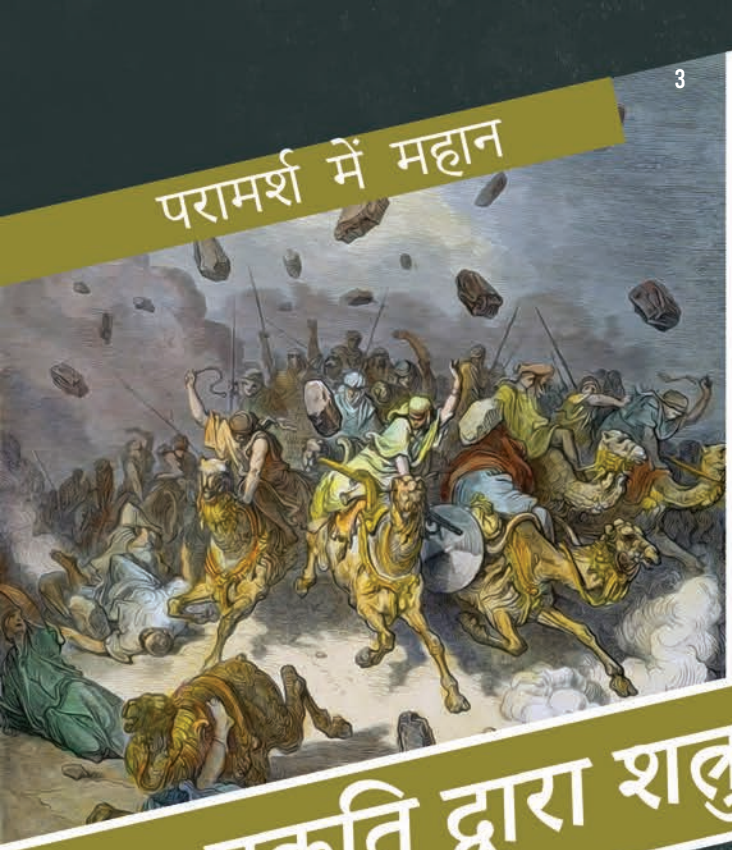

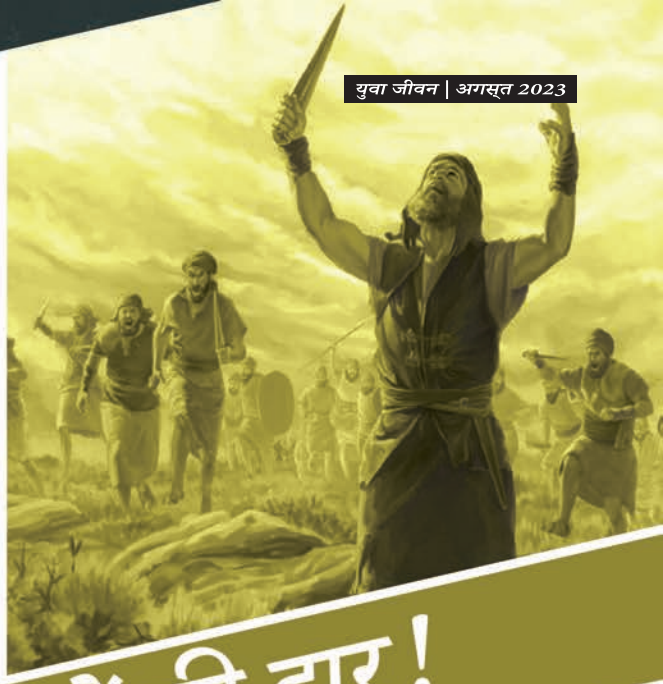

प्रकृति द्वारा शत्रुओं की हार!

इस " परामर्श में महान " श्रृंखला में हम बाइबिल में उन रणनीतियों के बारे में पढ़ रहे हैं, जिनका उपयोग प्रभु ने इस्राइल के लोगों को बचाने के लिए किया था, जब उनके खिलाफ लड़ाई और संघर्ष हुए थे। उसी के अनुरूप, इस महीने, हम यह देखने वाले हैं कि प्रभु ने कैसे सब कुछ बनाया, अपने लोगों की समृद्धि के लिए प्रकृति के माध्यम से दुश्मनों को परास्त किया।

हाँ! हमारे प्रभु ने, जो परामर्श में महान है, ओले बरसाकर अपनी प्रजा को विजय दिलाई।

यहोशू और ओले!

.जिस समय इस्राएली कनान पर अधिकार कर रहे थे, उस समय कनान से 5 राजा अपनी बड़ी सेनाओं के साथ गिबोनियों पर आक्रमण करने के लिये आये।

.उन्हें बचाने के लिए यहोशू और उसके सैनिक पूरी रात चलते रहे। भोर से ही युद्ध चल रहा था।

क्या आप जानते है कि क्या हुआ?

चूँकि सर्वशक्तिमान परमेश्वर यहोशू के साथ था, 5 राजाओं की कनानी भीड़ सभी दिशाओं में बिखर गई।

क्या उनके भागते ही युद्ध समाप्त हो गया?

बस ऐसे ही नहीं! तभी हमारे प्रभु का, जो विचारों में महान है, युद्ध शुरू हुआ। हाँ! प्रभु ने भाग रहे कनानियों पर स्वर्ग से बड़े-बड़े ओले गिराये (यहोशू 10:11)।

परिणामस्वरूप, ओलों से मरने वाले लोग इस्राएल के बच्चों द्वारा तलवार से मारे गए से अधिक थे।

प्रिय युवा हृदय जो इसे पढ़ रहे हैं! क्या आप इस तथ्य को महसूस कर सकते हैं कि परमेश्वर आपके जीवन में देखे गए शत्रुओं की तुलना में आपके लिए कई अज्ञात शत्रुओं का विनाश कर रहे हैं?

हाँ! चूँकि हमारा प्रभु, जो अपनी आँखों की पुतली की नाईं प्रति दिन हमारी रक्षा करता है, हमारे साथ रहता है, सो हम हियाव से कहें,

"यहोवा मेरी ज्योति और मेरा उद्धार है; मैं किस से डरूं? यहोवा मेरे जीवन का दृढ़ गढ़ ठहरा है; मैं किस से भय खाऊं?"(भजन 27:1)

बाइक स्टंट राइडिंग

यह एक युवा लड़के की गवाही है, जिसे कम उम्र में बाइक का शौक था और उसने इसमें सफलता हासिल करने के लिए बाइक स्टंटिंग में प्रशिक्षण लेने के लिए खुद को समर्पित कर दिया था। लेकिन परमेश्वर ने उसे इससे बचाया और आज उसे कई लोगों के लिए एक आशीर्वाद बना दिया है। आइए उसे सुनें।

अपने परिवार और बचपन के बारे में बताएं?

मेरा नाम जॉन वेस्ली है। मेरा जन्म वेल्लोर जिले में श्री देव नंदन और श्रीमती मलाथी के घर हुआ था। मेरे पिता सीआरपीएफ में कार्यरत हैं। मेरी माँ संडे स्कूल की कक्षाएँ घर पर लेती हैं। मेरी एक बहन है। वह शादीशुदा है। मेरा जन्म और पालन-पोषण एक मसीही परिवार में हुआ। इसलिए मेरे माता-पिता ने मुझे बचपन से ही चर्च जाने और संडे स्कूल भेजने में सावधानीपूर्वक मार्गदर्शन किया। मैं भी चर्च जाता था, वचन पढ़ता और नियमित रूप से प्रार्थना करता था।

अच्छा, आपकी स्कूली शिक्षा और किशोर जीवन कैसा था?

मैं स्कूल में अच्छा प्रदर्शन कर रहा था। वर्ष 2017 में, जब मैं 12वीं कक्षा में पढ़ रहा था, मैंने 'फ्रीस्टाइल मोटरसाइकिल स्टंट राइडिंग' नामक मोटर स्पोर्ट के बारे में सुना और यूट्यूब पर इसके बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त की। उसी उत्साह के साथ 12वीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद मैंने ट्रेनिंग के लिए हमारे घर में मौजूद 100cc बाइक का इस्तेमाल किया।

चूंकि मेरे पिता उत्तर के सीआरपीएफ में थे, इसलिए मैंने अपनी मां को धोखा दिया और ट्रेनिंग के लिए उस बाइक का इस्तेमाल करने लगा। परमेश्वर ने मेरी मां को बताया कि मैं उन्हें धोखा दे रहा था और बाइक चला रहा था। चूंकि मैं उत्साह के साथ कड़ी मेहनत कर रहा था, इसलिए मैंने 2018 के अंत में अपने पिता से 200 सीसी की बाइक खरीदने के लिए कहा।

खैर, आपने एक बाइक खरीदी और बहुत उत्साह से अभ्यास किया...क्या आपने उसके बाद अपनी पढ़ाई जारी रखी या आपने स्टंट राइडिंग पर ध्यान केंद्रित किया?

मैंने अपनी स्कूली शिक्षा और कॉलेज की पढ़ाई भी पूरी की, फ्रीस्टाइल मोटरसाइकिल स्टंट राइडिंग में कई बारीकियां सीखने और अच्छे स्टंट करने के बाद, मुझे भारत की सबसे बड़ी स्टंट टीम की उप टीम में शामिल होने का निमंत्रण मिला।

टीम के 4 सदस्यों के साथ मिलकर, हमने 2020 में 'टीमव्हीलज़अप' नाम बनाया और हमें एक साथ काम करने के लिए कोयंबटूर में आमंत्रित किया गया। हम नहीं जा सके क्योंकि यह लॉकडाउन था। हालाँकि, हमने अपने गृहनगर में अधिक अभ्यास किया। मैं दिन में लगभग 5 घंटे अभ्यास करता हूं। प्रशिक्षण के दौरान ली गई सभी तस्वीरें

और वीडियो तुरंत इंस्टाग्राम पर अपलोड कर दिए गए और कुछ ही महीनों में हमारे टीमव्हीलज़अप अकाउंट पर 15 हजार फॉलोअर्स हो गए।

आपने बाइक प्रशिक्षण पूरा किया और एक टीम बनाई...तब से आपकी टीम का विकास कैसा रहा?

एक दिन हमारे टीम लीडर ने हमसे कहा कि अगर हम केटीएम फैक्ट्री राइडर्स बनना चाहते हैं तो एक नई केटीएम बाइक खरीदें।

उस बाइक की कीमत 2.30 लाख से ज्यादा थी. हालाँकि मैं इसे इतनी अधिक कीमत पर नहीं खरीद सकता था, मेरे पिता ने इसे बहुत दुख के साथ ईएमआई पर खरीदा, क्योंकि मैंने उन्हें बताया था कि यह मेरे जीवन के लिए बहुत जरूरी है।

क्या आपने केटीएम बाइक खरीदने के बाद अपना लक्ष्य हासिल कर लिया?

मैं दिसंबर 2020 में कोयंबटूर गया था। माँ पिताजी के साथ दिल्ली रहने चली गईं। मेरे कोयंबटूर चले जाने के बाद, हमारी टीम बढ़ने लगी। कई छात्र हमसे जुड़ने लगे। उन्हें प्रशिक्षण देकर मैं अच्छी खासी कमाई करने लगा। चाहे मैंने कितना भी कमाया हो, मैं परमेश्वर को पहले स्थान पर रखने में कभी असफल नहीं हुआ। सब कुछ ठीक चल रहा था.

2 फरवरी, 2021 को सुबह 6 बजे, जब मैं स्टंट राइडिंग का अभ्यास कर रहा था,

मैं अप्रत्याशित रूप से गिर गया और रेडियल बोन फ्रैक्चर और मेरे बाएं हाथ की कोहनी उखड़ गई।

डॉक्टर ने कहा कि मेरे हाथ का ऑपरेशन करना होगा और वेल्लोर अस्पताल में मेरी सर्जरी हुई। उसके बाद, माँ और पिताजी, बहुत परेशानी के साथ, मुझे तब तक अपने साथ दिल्ली में रहने के लिए ले गए जब तक मैं ठीक नहीं हो गया। जब टीम लीडर ने मुझसे पूछा 'आप वापस कब आएंगे' तो पूरा थकी हुई अवस्था में था, समझ नहीं पा रहा था कि क्या कहूं।

ठीक है, आप प्रभु को खोजने में असफल नहीं हुए... आपको इस बारे में प्रभु से पूछताछ करनी चाहिए थी। तो, क्या आपने कभी सोचा कि इसका कारण क्या हो सकता है?

हाँ, कोयंबटूर में सब कुछ ठीक चल रहा था। मैंने अपनी मां से पूछा, 'मेरे साथ ऐसा क्यों हुआ?' इस पर मां ने कहा, 'जाओ और इसका जवाब वचनों में ढूंढो।' जब मैंने पूरे दिल से वचनों की खोज की, तो प्रभु ने मुझे पुराने नियम से बात की।

बाद में, मैंने टीम लीडर को बताया कि मेरी कोयंबटूर वापसी पर संदेह है। जैसे ही मैंने कहा कि मैं वापस नहीं जा रहा हूं, उसने हमारे सार्वजनिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर समूह फ़ोटो और वीडियो हटा दिए और अपने नाम पर बदल लिया। जब मैंने यह देखा, तो मेरा दिल टुकड़ों में बंट गया क्योंकि मेरे सभी उत्साही प्रयास व्यर्थ हो गए। यदि मेरा हाथ न टूटा होता तो मैं आज तक स्वार्थी लोगों का गुलाम होता।

कुछ महीनों के बाद मैं वेल्लोर आ गया। मुझे कुछ पता नहीं था कि आगे क्या करना है। मैंने प्रार्थना की और उच्च अध्ययन के लिए आवेदन किया। जैसे-जैसे दिन बीतते गए मैं प्रभु के करीब आने लगा। मैंने आध्यात्मिक मित्रों के साथ मिलकर निगरानी शुरू कर दी।

कुछ महीनों के बाद, अपने एक रिश्तेदार की बात पर विश्वास करते हुए कि, "आप प्रतिभाशाली हैं, मैं आपको प्रायोजित करूंगा" और अपने प्रयासों से मैंने कोयंबटूर वापस जाने की योजना बनाई। कई महीनों तक प्रयास किए गए, लेकिन कुछ नहीं हुआ। मेरा जन्मदिन 10 अगस्त को है, यह सोचकर कि मैं उस दिन जा सकता हूं, मैंने खुद को परमेश्वर को सौंप दिया और प्रार्थना की, "परमेश्वर, मैं फिर से कोयंबटूर जाने की योजना बना रहा हूं, यदि आप नहीं चाहते कि मैं जाऊं, तो कृपया मुझे रोक लें" और उनके उत्तर की प्रतीक्षा करने लगा।

4 अगस्त को सुबह-सुबह मुझे एक दृश्य दिखाई दिया, जिसमें मैंने देखा कि मेरा एक छात्र जब अभ्यास कर रहा था तो उसकी बाइक उसके ऊपर गिर गई और उसके कूल्हे की हड्डी टूटकर उसके शरीर से बिखर रही थी और मैं उसकी टूटी हुई हड्डियों को हाथ में लेकर अस्पताल की ओर भाग रहा था। मैं जाग उठा और इस सपने से बहुत परेशान था। उस पहले सप्ताह के दौरान, वेल्लोर में एक युवा सभा में भाग लेने के दौरान, परमेश्वर ने एक भाई के माध्यम से मुझसे कहा, 'परमेश्वर वही देंगे जो अच्छा है'।

तब परमेश्वर ने मुझे बहुत सी वस्तुओं से शुद्ध किया, और जो बातें उसे अच्छी नहीं लगती थीं, उन्हें मुझ से दूर कर दिया, और उन्हें ऐसी वस्तुओं में बदल दिया जो उसे अच्छी लगती थीं। उन्होंने मुझे सीएमसी वेल्लोर में अच्छी नौकरी दिलवाई और आज भी मुझे आशीष दे रहे हैं।

आप युवाओं से क्या कहना चाहेंगे?

मैं, जो बाइक पर स्टंट कर रहा था और कई युवाओं के लिए गलत उदाहरण पेश किया था, उसकी कृपा से बच गया और अब कई लोगों के लिए गवाह हूं। यदि आप भी ऐसे काम कर रहे हैं जो परमेश्वर को प्रसन्न नहीं कर रहे हैं, जब आप आत्मसमर्पण करते हैं और उनसे बाहर आने के लिए प्रार्थना करते हैं, तो परमेश्वर आपको बचाएंगे और आशीष देंगे।

प्रिय युवाओं! क्या आप कुछ हासिल करने की प्रत्याशा में ऐसे काम कर रहे हैं जो परमेश्वर को पसंद नहीं हैं? जो काम प्रभु को प्रसन्न नहीं होता वह करना आशीष नहीं है। इसलिए भाई जॉन वेस्ली की तरह अपने आप को प्रभु के प्रति समर्पित कर दो! आप आशीषित हो जायेंगे!

चेतावनी

ये अंतिम दिन हैं...!

"यह कैसी दुनिया है? क्या ये लोग सचमुच इंसान हैं? मानवता के बारे में भूल जाइए, क्या मानव स्वभाव अभी भी जीवित है?" इन दिनों संदिग्ध होता जा रहा है। हाल ही में मैंने कुछ समाचार देखे और दो दिनों तक नींद नहीं आई। मैं उनमें से कुछ खबरें साझा करना चाहता हूं, मुझे यकीन है कि आपने भी उनके बारे में सुना होगा।

« मुंबई में 10 साल तक अपनी पत्नी के साथ रहे एक शख्स ने उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए। चूँकि वह नहीं जानता था कि उसके शरीर को कैसे ठिकाने लगाया जाए, इसलिए उसने टुकड़ों को मिक्सी और ग्राइंडर में पीस लिया और कुत्तों को खिलाने से पहले कई दिनों तक अपने घर में रखा। इस कहानी की मुख्य बात यह है कि उसने इस काम के लिए दो बड़ी आरी का ऑर्डर दिया था।

अगली घटना तो और भी भयानक है...

« एक 16 साल की लड़की को 20 साल के लड़के से प्यार हो गया और बाद में उससे रिश्ता टूट गया फिर दूसरे लड़के से प्यार हो गया। एक बार जब लड़के ने सुना कि वह किसी अन्य लड़के के साथ प्रतिबद्ध हो गई है, तो उसने गुस्से में पागल की तरह व्यवहार किया, एक बड़ा चाकू खरीदा और बाजार में जहां लड़की अपने दोस्त के साथ गई थी, उस पर 25 से अधिक बार वार किया। जब लड़की बेहोश होकर गिर पड़ी तब भी उसका गुस्सा शांत नहीं हुआ तो उसने पास में पड़ा सीमेंट का स्लैब उठाया और लड़की के सिर पर दे मारा। कुछ लोगों का कहना है कि लड़की के सिर के 4 टुकड़े किये गये थे। सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि यह घटना करीब डेढ़ घंटे से चल रही थी। लेकिन दर्दनाक बात ये है कि लड़की को बचाने के लिए एक भी शख्स आगे नहीं आया।

जब हम यह देखते हैं तो पाते हैं कि पवित्र बाइबल में जो कहा गया था वह पूरा हो रहा है। ऐसा कहा गया है कि "पर यह स्मरण रख कि अन्तिम दिनों में कठिन समय आएंगे। क्योंकि मनुष्य दयारहित, असंयमी, क्रूर, विश्वासघाती और हठी होंगे।" (2 तीमुथियुस 3:1-5)।

देखो... क्योंकि हमारे आस-पास के लोग जीवित परमेश्वर को नहीं जानते, वे ढीठ, दयारहित और क्रूर हो गए हैं।

लूका 21 में भी इसी के समान बहुत कुछ लिखा है। इसलिए जागते रहो और हर समय प्रार्थना करते रहो कि तुम इन सब आनेवाली घटनाओं से बचने और मनुष्य के पुत्र के सामने खड़े होने के योग्य बनो। (लूका 21:36)।

प्रभु कहते हैं कि हमें सावधान रहना चाहिए और प्रार्थना करनी चाहिए, ताकि हम इन क्रूर घटनाओं से बच सकें और अपने परिवार में, घर, शहर और सड़कें ऐसी स्थिति न आने दें।

हमारे लिए सतर्क रहना और प्रार्थना करना भी बहुत महत्वपूर्ण है ताकि हमारे देश में ऐसी क्रूर चीजें न हों, और जो लोग ऐसा करते हैं वे शैतान के चंगुल से मुक्त हो जाएं, और मसीह का खून हमें ढांप ले और हमारी रक्षा करे।

जब हम इस तरह प्रार्थना करते हैं, तो परमेश्वर हमें और हमारे देश के लोगों को अपने दिव्य प्रेम से भर देंगे।"प्रेम धीरजवन्त है, और कृपाल है; प्रेम डाह नहीं करता; प्रेम अपनी बड़ाई नहीं करता, और फूलता नहीं। वह अनरीति नहीं चलता, वह अपनी भलाई नहीं चाहता, झुंझलाता नहीं, बुरा नहीं मानता। कुकर्म से आनन्दित नहीं होता, परन्तु सत्य से आनन्दित होता है। वह सब बातें सह लेता है, सब बातों की प्रतीति करता है, सब बातों की आशा रखता है, सब बातों में धीरज धरता है। "(1 कुरिन्थियों 13:4-7)

प्रिय युवा पाठकों, इन अंतिम दिनों में जहां अराजकता प्रचुर मात्रा में है और प्रेम ठंडा होता जा रहा है, शैतान उत्सुकता से इन क्रूर कार्यों को करने के लिए किसी का उपयोग करने का इंतजार कर रहा है। शैतान के शातिर जाल से बचने के लिए, यह जरूरी है कि हम प्रतिदिन अपना समय प्रभु की उपस्थिति में प्रार्थना करने में व्यतीत करें।

''सचेत हो और जागते रहो; क्योंकि तुम्हारा विरोधी शैतान गर्जनेवाले सिंह के समान इस खोज में रहता है, कि किस को फाड़ खाए।" (1 पतरस 5:8)

Abuse & Affair

Heart Beat

मैं इस समय कॉलेज के प्रथम वर्ष में हूं। सोते समय एक तरह का डर मुझे घेर लेता है और मैं अक्सर नींद में डरी हुई उठती हूँ। इसका कारण यह है कि मेरे एक रिश्तेदार (चाचा) ने एक बार मेरे साथ दुर्व्यवहार किया था। उसके बाद अक्सर उस व्यक्ति ने मेरे साथ गलत व्यवहार करने की कोशिश की जिससे मुझे बहुत दुख हुआ। जब मैंने यह बात अपने माता-पिता को बताई, तो उन्होंने मुझे ही डांटा और संदेह किया। मैं इतनी टूट गयी थी कि मेरे अपने माता-पिता को मुझ पर विश्वास नहीं था। ऐसे में मुझे अपने कॉलेज में एक सीनियर भाई की दोस्ती मिल गई। जो कुछ भी हुआ मैंने उसके साथ साझा किया। उन्होंने मुझे समझा और सांत्वना दी। उस भाई द्वारा मुझे दिखाया गया स्नेह और सांत्वना अंततः प्यार में बदल गया। यह जानकर मेरे माता-पिता मुझ पर क्रोधित हो गये और आये दिन मुझे प्रताड़ित करते हैं। वे मुझे अनुचित शब्दों से परेशान करते हैं। मैं उस प्यार को जाने नहीं दे सकी। मैं अपनी पढ़ाई छोड़कर उससे शादी करने के बारे में सोच रही हूं।' मुझे नहीं पता कि मेरा निर्णय सही है या नहीं। क्या आप मेरी मदद करेंगे? -सरला, ऊटी,

प्रिय सरला बहन! आपका पत्र पढ़ने में दर्दनाक और कष्टदायक है। एक तरफ वह रिश्तेदार है जिसने आपको परेशान किया है और दूसरी तरफ वह माता-पिता है जो कुछ नहीं समझते। इस प्रकार, मैं स्पष्ट रूप से समझ सकता हूँ कि आपको शब्दों से कलंकित और आहत किया गया है।

सरला! इस देश में जहां महिलाओं को बहुत सम्मान के साथ माना जाता है, ऐसे लोगों को देखकर दुख होता है जो कभी-कभी महिलाओं को खेलने की वस्तु और सामान के रूप में उपयोग करते हैं। ऐसी स्थिति से कोई भी आसानी से बाहर नहीं निकल सकता है, इसका कारण एक तरफ व्यक्ति का व्यवहार है और दूसरी तरफ माता-पिता का आघात है, जिनके बारे में माना जाता है कि वे आप पर विश्वास नहीं करते हैं। यह बहुत अच्छी बात है कि आपने इतने संघर्षों के बावजूद अपनी कॉलेज की पढ़ाई जारी रखी।

सरला, मौजूदा हालात में तुम्हें उस व्यक्ति से दूर रहना चाहिए जिसने तुम्हारे साथ गलत किया है। और अकेले रहने से बचें। ऐसा करने से आपको अपने तनाव और दिल के दर्द से कुछ राहत मिल सकती है। और जब वे दर्दनाक यादें सामने आती हैं, तो आप तुरंत उन विचारों को विचलित करने के लिए किताब पढ़ने या पसंदीदा गाना सुनने जैसी गतिविधियों में खुद को शामिल करके उनसे तुरंत बाहर आ सकते हैं। अन्यथा, आप विचार में फंस जायेंगी और अक्षम हो जायेंगी।

यह वास्तव में दयनीय है कि, आपने जिसने इस समस्या से बाहर निकलने की कोशिश की वह दूसरी समस्या में फंस गयी। अब, मैं समझ नहीं पा रहा हूँ, आप कह रहे हैं कि मैं उस व्यक्ति से प्यार करती हूँ जो मेरे भाई के समान था।

सरला, कई बार जब हम अपना बोझ और दर्द दूसरों के साथ साझा करते हैं तो हमें बेहतर महसूस होता है। लेकिन विपरीत लिंग को बताने पर ऐसी कई समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। जो व्यक्ति शुरू में आपका भाई था, सिर्फ इसलिए कि वह आपसे सहजता और दयालुता से बात करता था, वह आपका जीवनसाथी कैसे बन सकता है?

सरला, तुम अभी कॉलेज के प्रथम वर्ष में हो। यह आपके जीवन साथी को ढूंढने की परिपक्व उम्र नहीं हो सकती।

और अब उसने जो सुखदायक शब्द और दयालु सलाह दी है, वह उसे आपके जीवन साथी के रूप में योग्य नहीं बना सकती है। इससे पहले कि आपके जीवन में पहले से ही लगे घाव ठीक हो जाएं, अपने जीवन को एक और पीड़ा में न जाने दें। सोचो और कार्य करो। जब हम दुःख में होते हैं, जब हम ऐसी स्थिति में होते हैं जहां हमारा विश्वास टूट जाता है, तो किसी का सांत्वना और स्नेहपूर्वक बोलना बहुत सुखद और आरामदायक होता है।

ऐसे में आपको बस उस सलाह को मानना चाहिए और उस समस्या से बाहर निकलने की कोशिश करनी चाहिए। इसके बजाय सलाह देने वाले पर ध्यान केंद्रित करना सही समाधान नहीं है। इसके बाद भी सोचिए कि क्या यह निष्कर्ष निकालना सही है कि 'जिस व्यक्ति ने ऐसी बात कही, वही मेरा जीवनसाथी है।'

सरला! यदि आप इस प्रेम को जारी रखेंगी तो क्या हो सकता है?

- आपको वह प्रियजन आपके साथी के रूप में मिल सकता है।
- आपके माता-पिता के साथ संबंधों में दरार आ सकती है।
- यदि आप जिस व्यक्ति से प्यार करती हैं, वह आपकी शादी के बाद आपके पिछले जीवन के बारे में बात करे या आपके बारे में संदेह करे तो आप क्या करेंगी?

  क्या होगा यदि वह कहता है, "मैं तुम्हें पसंद नहीं करता, तुम गलत लड़की हो"?
- एक प्रेमी और एक पति पूरी तरह से दो अलग व्यक्तित्व हैं। इसलिए आप यह तय नहीं कर सकते कि आपको हमेशा वही स्नेह और प्यार मिलेगा जो आपको पहले मिला था।
- चूंकि वह एक कॉलेज छात्र है और पर्याप्त परिपक्व नहीं है, इसलिए वह बाद में आपसे नफरत कर सकता है और दूसरे रिश्ते की तलाश कर सकता है। इस तरह की कई समस्याएं होने की संभावना है.

सरला! अगर तुम यह रिश्ता तोड़कर कॉलेज की पढ़ाई जारी रखोगी तो क्या होगा?

- हालाँकि एक ओर जिस व्यक्ति से आप प्यार करती थीं उसे भूलना मुश्किल है, आपको "जीवन में प्रकाश की ओर जाने" की संतुष्टि मिलने की संभावना है।
- आप एक सफल स्नातक बन सकती हैं।
- समाज आपकी इस प्रकार सराहना कर सकता है, "वह एक ऐसी महिला है जिसने कम उम्र में कई कठिनाइयों और कष्टों को पार कर अपने लक्ष्य की ओर यात्रा की है।
- वही माता-पिता, जिन्होंने आप पर अविश्वास किया था, आपके विजयी जीवन को देखकर अपना मन बदल सकते हैं और यह कहकर आपकी प्रशंसा कर सकते हैं कि आप निर्दोष हैं।
- आपके जीवन के घाव और निशान अंततः मिट जाएंगे और आप एक नई शुरुआत कर सकती हैं।
- आप अपने जैसे आहत हुए कई लोगों को अपनी परिस्थितियों को देखते हुए गलत निर्णय लेने के बजाय सर्वोत्तम निर्णय लेने की सलाह दे सकते हैं।

तो सरला, थोड़ा सोचो और सही निर्णय लो। आपका निर्णय या तो कई लोगों के लिए एक मिसाल या गलत उदाहरण हो सकता है। क्योंकि तुम्हारा विरोधी शैतान गर्जनेवाले सिंह की नाईं इस खोज में रहता है, कि किस को फाड़ खाए, इसलिये उसके जाल से बचने के लिये चौकस और सचेत रहो! यीशु आपको सही निर्णय लेने में मदद करें!

"मैं तुझे शिक्षा दूंगा, और जिस मार्ग में तुझे चलना होगा उसी में तेरी अगुवाई करूँगा; मैं तुझ पर कृपादृष्टि रखूंगा और सम्मति दिया करूँगा।" (भजन संहिता 32:8)

सतर्क रहें !

2010 में, हेरोल्ड कैंपिंग ने यह घोषणा करके अमेरिका में बड़ा हंगामा खड़ा कर दिया कि 21 मई, 2011 को दुनिया खत्म हो रही है और यह यीशु की वापसी का दिन है। लेकिन जैसा उन्होंने कहा था वैसा कुछ नहीं हुआ। वह अकेला नहीं है; उनके जैसे कई अन्य लोग उभरे हैं और दुनिया भर में इस तरह की खबरें फैला रहे हैं। हमारा धर्मशास्त्र स्पष्ट रूप से कहता है, "... क्योंकि जिस घड़ी के विषय तुम सोचते भी नहीं हो, उसी घड़ी मनुष्य का पुत्र आ जाएगा।"(मत्ती 24:44)

आज, हम उन सभी चिन्हों की पूर्ति देख रहे हैं जिनके बारे में यीशु ने कहा था कि उनके आने से पहले इस धरती पर युद्ध, अकाल, महामारी और भूकंप होंगे। आज, कोई भी अपने साथी इंसान से प्यार नहीं करता है और प्यार एक चेतावनी है, और युवाओं के बीच समय बदल गया है कि जो छात्र नोटबुक के साथ स्कूल आते थे, वे अब चाकू और नशीले पदार्थ लेकर आ रहे हैं। साथी इंसान की देखभाल और प्यार करने की बुनियादी प्रवृत्ति पूरी तरह से गायब हो गई है। हर दिन अलग-अलग एंगल से सामने आ रहे नए अपराध और अखबार की खबरें दिल दहला रही हैं।

जो अन्यजाति यह सब देखते हैं, वे कहते हैं कि हम संकटमय समय में हैं। 2 तीमुथियुस 3:2-5 में, हम पढ़ते हैं कि, "क्योंकि मनुष्य स्वार्थी, लोभी, डींगमार, अभिमानी, निन्दक, माता-पिता की आज्ञा टालने वाले, कृतघ्न, अपवित्र, दयारहित, क्षमा रहित, दोष लगाने वाले, असंयमी, कठोर, भले के बैरी, विश्वासघाती,

ढीठ, घमण्डी, परमेश्वर के नहीं वरन् सुख-विलास के चाहने वाले होंगे। भक्ति का भेष तो धरेंगे,पर उसकी शक्ति को न मानेंगे।" धर्मशास्त्र हमें स्पष्ट रूप से बताता है कि ये लोग यीशु के आने से पहले इस धरती पर उठ खड़े होंगे।

प्रभु की संतान होने के नाते हमें ऐसे लोगों से दूर रहना चाहिए और सतर्क रहना चाहिए। नूह के दिनों में, लोग परमेश्वर के प्रति संवेदनहीन थे; वे खा-पी रहे थे, शादी-ब्याह कर रहे थे और अपनी इच्छानुसार रह रहे थे। उनमें से, नूह परमेश्वर का भय माननेवाला, धर्मी और सतर्क था और अपनी तथा अपने परिवार की रक्षा करता था।

और आज LGBTQ सबसे अधिक प्रचलित सोशल मीडिया विषयों में से एक है। यह यीशु के आने से पहले के चिन्हों में से एक है, "जैसा नूह के दिन थे, वैसा ही मनुष्य के

पुत्र का आना भी होगा।"(मत्ती 24:37)। समलैंगिक पाप सदोम और अमोरा के विनाश का एक प्रमुख कारण था।

समय इतना बदल गया है कि LGBTQ लोग जो गुप्त रूप से रहते थे, उन्होंने अब खुलेआम अपनी पहचान कबूल करना शुरू कर दिया है कि वे चेन्नई और कोयम्बटूर जैसे प्रमुख शहरों में भी कई गौरव रैलियाँ आयोजित करते हैं। इन सबके अलावा, अदालत ने यहां तक कहा है कि एक पुरुष एक पुरुष से और एक महिला एक महिला से शादी कर सकती है, यह कहते हुए कि यह व्यक्ति की स्वतंत्रता है और यह उसकी स्वतंत्र इच्छा है।

आप जो ऐसे लोगों के बीच रहते हैं, नूह की तरह सतर्क रहें, परमेश्वर की कृपा बनाए रखें और यीशु के आगमन के लिए खुद को तैयार करें। दूसरों को भी तैयार करें.

मेरे प्यारे युवाओं! चाहे हम इसे पसंद करें या नहीं, प्रभु यीशु मसीह का आगमन जल्द ही होने वाला है। यीशु ने जो कुछ भी भविष्यवाणी की थी कि उसके आने से पहले इस धरती पर घटित होगा वह हमारे चारों ओर तेजी से पूरा हो रहा है। इसलिए, "इसलिए जागते रहो, क्योंकि तुम नहीं जानते कि तुम्हारा प्रभु किस घड़ी आएगा।" (मत्ती 24:42)। यीशु के आगमन के लिए स्वयं को पवित्र करें और तैयार करें।

कमी Vs पूर्णता

भावी विजेताओं को प्यार भरी शुभकामनाएँ! इस धरती पर जन्म लेने वाले हर व्यक्ति के जीवन में कोई न कोई कमी जरूर होती है। उदाहरण के लिए, यह शरीर या दिमाग में हो सकता है। अगर हम केवल अपनी कमी पर ध्यान देंगे तो हम अपने जीवन में कुछ भी हासिल नहीं कर पाएंगे। हर कोई जो आज सफल है, उसे सफलता मिली है क्योंकि उन्होंने अपनी कमियों को नकारात्मक के रूप में नहीं देखा, बल्कि उन्हें उन बाधाओं के रूप में देखा जो उन्हें हासिल करने के लिए प्रेरित करती थीं। यह इसे पढ़ने वाले प्रत्येक व्यक्ति की कमियों को जीत में बदलने की एक विजेता की यात्रा है!

माइकल फ्रेड फेल्प्स का जन्म अमेरिका में हुआ था और ववह अपने परिवार के साथ खुशहाल जीवन व्यतीत कर रहा था। हालाँकि वह एक गतिशील और सक्रिय बच्चा था, फिर भी वह अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित नहीं कर सका। इस समस्या के समाधान के लिए फेल्प्स की मां उन्हें अस्पताल ले गईं। फेल्प्स की जांच करने वाले डॉक्टर ने पाया कि उन्हें एडीएचडी (अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर) है। वह पाँच मिनट से भी कम समय के लिए किसी विशेष कार्य पर ध्यान केंद्रित नहीं कर सका। डॉक्टरों ने बीमारी को ठीक करने के लिए दवाएँ दीं और उसकी माँ को फेल्प्स को तैराकी में शामिल करने की सलाह दी, इस बीच, फेल्प्स का परिवार दो भागों में विभाजित हो गया। फेल्प्स अपनी माँ के साथ रहने चला गया। उसने उसे तैराकी का प्रशिक्षण दिलाने के प्रयास किये।

एक बच्चे के रूप में, फेल्प्स को पानी में अपना चेहरा दफनाने से डर लगता था इसलिए उन्होंने सबसे पहले बैकस्ट्रोक तैराकी शुरू की। उन्होंने अपना सारा ध्यान तैराकी का अभ्यास करने में लगा दिया। यही उसका जीवन बन गया. वह सप्ताह के सभी सातों दिन लगातार 6 घंटे तक प्रशिक्षण लेता था।

उसके अथक प्रशिक्षण ने उसे ओलंपिक तक पहुंचाया। बाद में उन्होंने तैराकी की कई स्पर्धाओं में विश्व रिकॉर्ड बनाया। उसने कुल 28 पदक जीते हैं जिनमें से

23 स्वर्ण हैं। उसकी उपलब्धियों ने दुनिया को उसकी ओर प्रशंसा की दृष्टि से देखने पर मजबूर कर दिया है।

प्रिय प्रेमी पाठकों! केवल अपनी कमियों पर ध्यान केन्द्रित करके असफलता को प्राप्त न करें। जो अपनी कमियों को खूबियों में बदलने में सक्षम है वह "विजेता" है। आप क्यों नहीं हासिल कर सकते? आप कर सकते हैं। अपनी कमियों पर विश्वास न करें। खुद पर भरोसा रखें, आपकी कमजोरी खूबियों में बदल जाएगी। आपका जीवन कई लोगों के लिए आशीष बन जाएगा!

इसे पढ़ने वाले प्रिय मित्रों! अपनी खामियों के बारे में बात करके खुद को न खोएं। एक सफल व्यक्ति वह है जो अपनी कमियों को दूर कर लेता है। आप इसे क्यों नहीं बना सकते? आप कर सकते हो। अपनी खामियों पर विश्वास न करें। खुद पर भरोसा रखें कि आप कर सकते हैं, और खामियां पूर्णता में बदल जाएंगी। आपका जीवन भी कई लोगों के लिए एक आशीष बन जाएगा।

राष्ट्र के लिए प्रार्थना करें...

'यीशु छुड़ाता है'

विश्व जागृति प्रार्थना भवन

हर पाँचवाँ सप्ताह रविवार को हम युवाओं के लिए रिवाइवल इग्नाइटर्स फ़ेलोशिप का आयोजन कर रहे हैं, जिसे निम्नलिखित तारीखों [29/10/2023, 31/12/2023] पर जीसस रिडीम्स मिनिस्ट्रीज़ यूट्यूब चैनल पर प्रसारित किया जा रहा है। अधिक जानकारी के लिए कॉल करें। नीचे दिए गए नंबर

YouTube Jesus Redeems - Hindi

Comforter DIGITAL CHANNEL www.comfortertv.com

दिल्ली
152, Pratap Nagar,
Near Hari Nagar Bus Depot,
New Delhi – 110 064.
Ph: 011-25616253 / 35580428.
कार्यालय समयः प्रातः 9:00 बजे से सायं 5:30 बजे तक

राँची
HPDC Hall,
Near St. Paul College,
Church Road, Bahubazar, Ranchi,
Jharkhand - 834001
Ph: 0952 333 6010
कार्यालय समयः प्रातः 9:30 बजे से सायं 5:00 बजे तक

मुम्बई-धारावी
नं: टी/1, ब्लॉक 11,
90 फीट रोड़, राजीव गाँधी नगर,
धारावी मुम्बई - 400 017.
Ph: 80824 10410
कार्यालय समयः प्रातः 9:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक

ज़रिकपुर-पंजाब
SCF 19, 1st Floor,
Dhakoli Kalka Road, NH - 22, Near city court
Shopping Complex, ज़रिकपुर-पंजाब.
Ph: 94177 26492
कार्यालय समयः प्रातः 9:30 बजे से सायं 5:00 बजे तक

मुम्बई-Malad
'Bethel', Plot 305/E mith chowkly
Marve Road, Malad (W), Mumbai - 400064.
Ph: 96640 50567
कार्यालय समयः प्रातः 9:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक

पश्चाताप

जीवन का निर्माण करता है!

"यदि तू सर्वशक्तिमान की ओर फिरके समीप जाए, और तू अपने डेरे से कुटिल काम दूर करे, तो तू बन जाएगा।" (अय्यूब 22:23)।

जब आपके जीवन में, आपके परिवार में, आपकी नौकरी में, या आपके व्यवसाय में समस्याएँ आती हैं, और आप असहाय महसूस करते हैं, तो आप यह कहते हुए विलाप कर सकते हैं, "मेरा जीवन बिखर गया है!! क्या मैं फिर से ऊपर उठ सकता हूँ? क्या मुझे मेरी आशीष दोबारा मिलेगी?" परन्तु प्रभु कहते हैं, "यदि तुम मन फिराओगे, तो तुम्हारा जीवन संवारा जाएगा।"

आपने अपने जीवन में क्या खोया है? हो सकता है कि आपने अपना स्वास्थ्य खो दिया हो, अपनी आशीष खो दी हो, या परिवार के भीतर शांति खो दी हो। क्या आपने पारिवारिक रिश्ते खो दिए हैं, और क्या आप अपने जीवन में ऐसी समस्याओं, मुश्किलों और नुकसान के बीच रह रहे हैं। प्रभु कहते हैं यदि तुम पश्चाताप करोगे तो मैं तुम्हें बनाऊंगा। आपका पारिवारिक जीवन, आपका व्यवसाय और आपका जीवन बहाल हो जाएगा।

आपके जीवन में कुछ ऐसा है जिसके लिए आपको पश्चाताप करने की

आवश्यकता है। यीशु के सामने पश्चाताप करो. झूठी मान्यताओं से दूर रहें और जीवित परमेश्वर की ओर वापस लौटें। अपने पापी रास्ते छोड़ें और पवित्र परमेश्वर के पास वापस आएं। शॉर्टकट से दूर रहें और पूरे दिल से उसकी तलाश करें। आपका जीवन फिर से निर्मित हो जाएगा। वह एक दयालु परमेश्वर है। वह तुम्हारे प्रति प्रेम के कारण तुम से यह वचन कहता है, जब तुम मन फिराओगे, तो तुम बनाए जाओगे। प्रिय नौजवान, अपने जीवन के बारे में सोचो। अपने तरीकों पर विचार करें। आप गलत रास्ते पर चल रहे हैं और गलत मंजिल की ओर बढ़ रहे हैं। प्रभु आपसे पश्चाताप करने के लिए बोल रहे हैं।

चेन्नई में ईसीआई चर्च के एक निश्चित युवा के नया जन्म पाए हुए माता-पिता थे। अपने पिता की सख्ती के डर से लड़का चर्च जाता था लेकिन आखिरी पंक्ति में बैठता था। वह गीत, आराधना और संदेश सत्र 'खत्म होने' का इंतजार करता था।

जैसे ही चर्च ख़त्म होता, वह पास की एक छोटी-सी दुकान में जाता, सिगरेट खरीदता, उसे जलाता और धूम्रपान शुरू कर देता।

उसका परमेश्वर से कोई लेना-देना नहीं था। 12वीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद उसने कहा कि, वह आगे की पढ़ाई करना चाहता है। जिस पर उनके पिता ने उन्हें डांटते हुए कहा, "यहां तक कि अपने स्कूल के दिनों में भी, तुम परमेश्वर से नहीं डरते थे; तुम एक दुष्ट जीवन जी रहे हो; अगर मैं तुम्हें कॉलेज भेजूंगा तो तुम और भी बदतर हो जाओगे"। उन्होंने कहा, ''मेरे पास तुम्हें आगे पढ़ाने के लिए पैसे नहीं हैं, इसलिए जाओ कोई नौकरी कर लो." युवा लड़के ने एक वर्कशॉप में नौकरी कर ली।

लेकिन, वह नियमित रूप से चर्च जाता था क्योंकि उसके पिता ने उसे जाने के लिए मजबूर किया था। उसके जीवन में कोई शांति, कोई सद्भाव नहीं था और उसके पास अच्छी शिक्षा का भी अभाव था। उसने अफसोस जताते हुए कहा, "मेरे भविष्य का क्या होगा, मेरा जीवन ही अधूरा है! मैं इस छोटी सी उम्र में इतनी दयनीय स्थिति में हूं।"

एक दिन, हमेशा की तरह, वह चर्च गया और खाली बैठा रहा। उस दिन आये उपदेशक ने अय्यूब की पुस्तक 22:22,23 से उद्धरण देते हुए वचनों का प्रचार किया। "यदि तू पश्चाताप करे, तो तेरा जीवन बन जाएगा। यदि तू पश्चाताप करे, तो यीशु तेरे जीवन का पुनर्निर्माण करेगा। यह ऐसा था मानो शब्द सीधे उससे बोले रहे हों। "जवान, यदि तू पश्चाताप करे, तो परमेश्वर तेरे जीवन का पुनर्निर्माण करने के लिए तैयार है"।

ये शब्द उसके हृदय में गहराई तक उतर गये। उसने महसूस किया कि प्रभु उससे बात कर रहे हैं। तब तक वह चर्च में जाता था क्योंकि उसके पिता

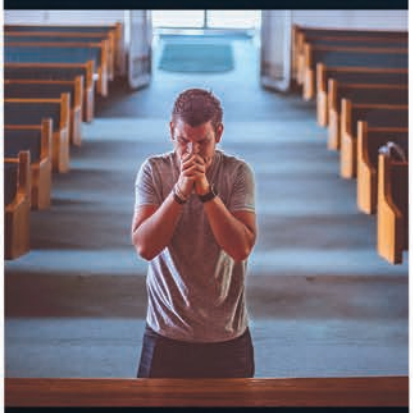

ने उसे चर्च जाने के लिए मजबूर किया था। परन्तु जब उस ने ये वचन अपने से बोलते हुए सुने, तो चिल्लाकर कहने लगा, "हे प्रभु, मैं अपने पापमय

चालचलन से मन फिराता हूं, मैं अपनी जवानी के अपराधों से फिरता हूं, और मैं मन फिराता हूं"। और अपना जीवन प्रभु को समर्पित कर दिया। उसने पश्चाताप किया। जब वह चर्च से बाहर आया, तो उसने अपनी पुरानी दुष्ट आदतें त्याग दीं और अपना जीवन यीशु को दे दिया। उसने प्रार्थना करना और धर्मशास्त्र पर मनन करना शुरू कर दिया। जब वह सचमुच प्रभु को पकड़े रहा, तो परमेश्वर को उस पर दया आई।

अपने द्वारा कमाए गए पैसों से, उसने शाम को एक कंप्यूटर सेंटर से कुछ बुनियादी कंप्यूटर कोर्स किए। प्रभु ने उसके लिए संयुक्त राज्य अमेरिका जाने का रास्ता खोल दिया।

उसे एक अच्छी पत्नी, बच्चे और परिवार मिला। जब मैं संयुक्त राज्य अमेरिका गया, तो मेरी मुलाकात उस युवक से हुई, और भाई ने मुझसे बात करते समय एक बात कही, "उस दिन चर्च में, जब प्रभु ने मुझसे इस वचन के साथ बात की, मैंने अपना जीवन समर्पित कर दिया। मैं, जिसने मेरी 12वीं कक्षा ही पूरी की थी, जब मैंने कुछ बुनियादी कंप्यूटर पाठ्यक्रम सीखे तो मुझे एक अच्छी नौकरी मिल गई। आज मैं अमेरिका के एक बड़े और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में काम कर रहा हूं। परमेश्वर ने मुझे उसी विश्वविद्यालय में मुफ्त में स्नातक करने में भी मदद की है। उसने मेरे जीवन का पुनर्निर्माण किया है। मैंने सोचा था कि मेरा जीवन समाप्त हो गया है। लेकिन परमेश्वर हमें इस देश में ले आए हैं और हमें उच्च स्थान पर रखा है।"

प्रिय युवाओं! अपने पापपूर्ण जीवन से दूर हो जाओ, अपने बुरे तरीकों से दूर हो जाओ, शॉर्टकट छोड़ दो, गलत दोस्तों के साथ चलने के तरीकों से दूर हो जाओ, और परमेश्वर की ओर मुड़ जाओ, आपका जीवन सफल हो जाएगा। प्रभु ने वादा किया है कि आपका निर्माण किया जाएगा!!

जो लोग सतर्क थे..!

पाँच कुंवारियाँ!

हालाँकि, दस कुंवारियों के हाथों में मशालें थी, बुद्धिमान कुंवारी ने अपनी पूरी यात्रा के दौरान लौ को चालू रखने के लिए आवश्यक तेल का इस्तेमाल किया। जब दूल्हे ने आने में देरी की तो वे सभी दस लोग सो गये। जब वह अचानक अंदर आया, तो उन्होंने एक साथ अपनी मशालें जलाए। बुद्धिमानों की ज्योति चमक उठी, और मूर्खों की ज्योति बुझ गई। फिर बाद में उन्होंने बुद्धिमानों से उनका तेल उधार देने को कहा।

बुद्धिमानों ने कहा, कदाचित यह हमारे और तुम्हारे लिये पूरा न हो; भला तो यह है कि बेचनेवालों के पास जाकर अपने लिये मोल ले लो। (मत्ती 25:9)। दूल्हा आ गया और पाँच बुद्धिमान कुँवारियाँ विवाह में प्रवेश कर गईं और तुरंत दरवाज़ा बंद कर दिया गया। मूर्ख कुंवारियों ने आकर द्वार खटखटाया। दूल्हे ने दरवाजा खोला और कहा मैं तुम्हें नहीं जानता। यदि मूर्ख अन्य 5 कुंवारियों की तरह तैयार होकर आए होते, तो वे दूल्हे के साथ शादी में प्रवेश कर पाते। (पढ़ें: मत्ती 25:1-13)

प्रिय युवाओं! चूँकि हम मनुष्य के पुत्र के आने का दिन नहीं जानते, इसलिए हमें बुद्धिमान कुंवारियों की तरह सतर्क रहना चाहिए। क्या आप इन अंतिम दिनों में पूरी तैयारी के साथ अपने परमेश्वर से मिलने के लिए तैयार हैं?

यीशु मसीह!

गतसमनी के बगीचे में, प्रभु दुःख और संकट से भर गए थे। उसने पतरस, याकूब और यूहन्ना की ओर देखा और उनसे सभी प्रकार के कष्टों से मुक्त होने के लिए प्रार्थना करने को कहा (26:41)। परन्तु वे प्रार्थना करने के बजाय सोने चले गये। जब परीक्षाएँ और प्रलोभन सामने आए, तो पतरस ने एक सैनिक का कान काट दिया। वह इस पाप में फँस गया क्योंकि प्रार्थना द्वारा उसकी रक्षा नहीं की गई और अंततः उसने यीशु को त्याग दिया। दूसरी ओर, यीशु जो जागते रहे और प्रार्थना करते रहे, परमेश्वर की शक्ति से भर गए। जो सैनिक उसे पकड़ने आए थे, वे उसकी महिमा का सामना नहीं कर सके और गिर पड़े (यूहन्ना 18:6)। इस स्थिति में भी यीशु ईमानदारी और प्रेम से परिपूर्ण थे। परमेश्वर हमें इन प्रलोभनों का सामना करने के लिए तैयार करना चाहता है। हर प्रलोभन का विरोध करने के लिए प्रार्थना अपरिहार्य है। परमेश्वर की शक्ति के बिना प्रलोभन पर विजय पाना असंभव है।

प्रिय युवाओं! यीशु ने हमें कई तरीकों से चेतावनी दी है, हम, शिष्यों की तरह, प्रार्थना की उपेक्षा करते हैं, परमेश्वर की आवाज़ को अस्वीकार करते हैं, और अंततः प्रलोभन में पड़ जाते हैं। तो क्या आप यीशु के जीवन को देखने और प्रार्थना करने के लिए स्वयं को प्रतिबद्ध करेंगे?

लोग जो सतर्क नहीं थे..!

पतरस!

जब यीशु को गिरफ्तार किया गया, तो घटनाओं की एक श्रृंखला घटी। यहूदा ने यीशु को धोखा दिया और सैनिकों ने उसे पकड़ लिया। पतरस क्रोधित हो गया और उसने खंजर निकाला और मलखुस नामक सैनिक का कान काट दिया। यीशु ने उसे ले लिया और वापस मलखुस के शरीर में चिपका दिया। उसने पतरस से खंजर को मयान में रखने के लिए कहा और उससे कहा कि जो कोई इसे चलाएगा वह इससे मर जाएगा। बहादुरी के अपने संक्षिप्त कार्य के बाद, पतरस ने कायरता का सहारा लिया, उसने मुख्य पुजारी के महल तक यीशु का पीछा किया। उसे यूहन्ना की तरह यीशु के साथ खड़ा होना चाहिए था, लेकिन वह भीड़ के साथ बाहर खड़ा रहा, तीन बार यीशु का इन्कार किया और कोसना और शपथ खाना शुरू कर दिया। तुरन्त मुर्गे ने बांग दी और पतरस को यीशु का वचन याद आया, जिसने उस से कहा था, "मुर्गे के बांग देने से पहिले तू तीन बार मेरा इन्कार करेगा"। इसलिये वह बाहर गया और फूट-फूट कर रोने लगा। यीशु को क्रूस पर चढ़ाने और उसके इन्कार ने पतरस को बहुत प्रभावित किया। चूँकि वह फूट-फूट कर रोया, अपने किये पर पछतावा महसूस किया और प्रार्थना की कि वह अपने पाप से मुक्त हो जाये।

प्रिय युवाओं! भले ही यीशु ने पतरस को जागते रहने और परिक्षा से बचने के लिए प्रार्थना करने की चेतावनी दी थी, वह सो गया और शैतान ने उसे धोखा दिया और उसे पाप के लिए प्रलोभित किया। तो, जागते रहो!

शिमशोन

शिमशोन नाम का एक लड़का था जो अपनी अपार शक्ति के लिए जाना जाता था। उसके पास उस पर झपटने वाले शेर को अपने नंगे हाथों से चीरने की शक्ति थी। उसने उन 3000 पलिश्तियों को भी मार डाला जो उसके विरुद्ध उठे थे। उसने नगर के द्वार के उन अटूट दरवाजों को तोड़ दिया जिन्हें हाथी भी नहीं तोड़ सके और उन्हें अपने कंधों पर उठा लिया। यहां तक कि जब उसके पूरे शरीर को एक मजबूत रस्सी से बांध दिया गया था, तब भी उसने कुछ ही सेकंड में उन्हें अलग कर दिया। इतने ताकतवर शिमशोन को दलीला नाम की एक औरत से प्यार हो गया। यह जानकर, पलिश्ती उसके पास आए और कहा, "उसे फुसलाना, और पता लगाना कि उसकी महान शक्ति कहाँ है, और हम किस उपाय से उस पर विजय प्राप्त कर सकते हैं..." दलीला के सताने बावजूद शिमशोन ने पहले अपनी ताकत का रहस्य नहीं बताया। लेकिन एक बिंदु पर, उसने उससे कहा कि वह एक नाज़ीर है और उसने कभी अपने बाल नहीं काटे हैं, और उसके बाल काटने से उसकी सारी ताकत खत्म हो जाएगी। दलीला ने तुरंत उसे अपनी गोद में सुलाया और उसके बाल काट दिए। उसे नींद से जगाने के लिए उसने चिल्लाकर कहा कि पलिश्ती आ गये हैं। लेकिन जब शिमशोन जागा तो वह यह जानकर व्याकुल हो गया कि उसकी सारी ताकत खत्म हो गई है। दलीला के धोखे से उसका दिल टूट गया।

प्रिय युवाओं! शिमशोन ने अपनी परमेश्वर प्रदत्त शक्ति खो दी क्योंकि वह नींद की कमी के कारण महिला की गोद में सो गया। यदि वह जागता और सतर्क रहता तो उसके जीवन में ऐसी घटना नहीं घटती। इसलिए हर समय जागते रहो!

द ट्रैक!

जागृति की दौड़

इस खंड 'द ट्रैक' के माध्यम से, हम हर महीने 'परमेश्वर के लिए दौड़ने वाले लोगों' और 'द मैराथनर्स' के जीवन पर नज़र डालते हैं। परमेश्वर के सेवकों की दृढ़ इच्छाशक्ति ने परमेश्वर के लोगों को मुक्ति और आशीर्वाद प्रदान किया। चूंकि हम अंत समय की जागृति के लिए चुने गए हैं, इसलिए हमें तीव्र गति से दौड़ना होगा ताकि हमारे माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों को मुक्ति और आशीर्वाद मिल सके। कभी-कभी, समस्याएँ, संघर्ष और पिछड़ना हमारी दौड़ में बाधा लाती है। इसके अलावा ये हमें गलत दिशा में भी दौड़ाते हैं। आइए देखें कि हम इन बाधाओं को कैसे दूर कर सकते हैं और जागृति के लिए दौड़ सकते हैं!

केन्याई एथलीट एलियुड किपचोगे ने अपने मैराथन करियर की शुरुआत 2004 में की थी। लेकिन 2016 तक उन्होंने कोई बड़ी उपलब्धि हासिल नहीं की। लेकिन 2016 और 2021 के ओलंपिक में उन्होंने लगातार गोल्ड जीते और विश्व रिकॉर्ड बनाया। यह

कोई आश्चर्य की बात नहीं होती अगर किसी 24 या 25 साल के एथलीट ने ऐसा किया हो। लेकिन किपचोगे ने 36 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल करके कई लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया! अधिकतर, मैराथन धावक 34-36 वर्ष की आयु के बीच सेवानिवृत्त हो जाते हैं। लेकिन 2019 में 34 साल की उम्र में किपचोगे ने मैराथन दौड़ में 42.5 किमी की दूरी सिर्फ 2 घंटे में तय की। ऐसा रिकॉर्ड आज तक किसी ने नहीं बनाया। अपनी उम्र और पिछली असफलताओं को देखते हुए, अगर उन्होंने ऐसा सोचा होता, 'इसके बाद मुझे क्या हासिल होगा?' और कड़ी मेहनत नहीं की होती तो वह इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल नहीं कर पाते।

जब हम एलियुड किपचोगे के बारे में पढ़ते हैं, तो हम प्रेरित पौलुस को याद करते हैं, जिन्होंने धर्मशास्त्र में परमेश्वर के लिए महान कार्य किए और दुनिया के सभी छोरों तक सुसमाचार की रोशनी चमकाई! हम जानते हैं कि कैसे पौलुस, जिसने यीशु के बारे में बात करने वालों का कड़ा विरोध किया और उन्हें कैद कर लिया, ने बचाए जाने के बाद यीशु का प्रचार करने के लिए ईमानदारी से काम किया। आइए देखें क्या है कारण!

मसीह का प्रेम विवश करता है

पौलुस कहता है, "क्योंकि मसीह का प्रेम हमें विवश करता है..." (2 कुरिन्थियों 5:14)। हालाँकि पौलुस को विभिन्न कष्टों और क्लेशों का सामना करना पड़ा, फिर भी उसने सेवा को कभी नहीं छोड़ा! इसका मुख्य कारण यीशु के प्रति उसका प्रेम है। उन्होंने लिखा है कि, "मुझे विश्वास है कि कोई भी चीज़ हमें मसीह के प्रेम से अलग नहीं कर सकती" (रोमियों 8:37-39)। पौलुस के यीशु के लिए सफलतापूर्वक दौड़ने का मुख्य कारण यीशु के प्रति उसका प्रेम था! आज भी, जिस कारण से हम यीशु के लिए उठ नहीं सकते और चमक नहीं सकते, और उसके लिए दौड़ने में कमज़ोर हैं, उसका कारण यह है कि यीशु के लिए हमारा प्यार ठंडा हो गया है। सांसारिक प्रेम और जीवन का सुख उस हृदय को भर देगा जो यीशु के प्रेम से नहीं भरा है। यह आवश्यक है कि हम इन अंतिम दिनों में यीशु के प्रति प्रेम को उजागर करें!

सुसमाचार के लिए उत्साह!

प्रेरितों के काम 2 में जो जागृति प्रज्वलित की गयी थी वह तेजी से फैल रहा था। परन्तु सुसमाचार अभी तक अन्यजातियों (गैर-यहूदियों) तक नहीं पहुँचा था। जैसे ही पौलुस को अन्यजातियों में प्रचार करने के लिए चुना गया, उसने ईमानदारी से सुसमाचार का प्रचार करना शुरू कर दिया, कई संकटों, संघर्षों और मानवीय विरोधों के बावजूद, शैतान

के चंगुल में फंसी आत्माओं को बचाने की इच्छा और उत्साह ने पौलुस को आराम करने से वंचित कर दिया। वह बहादुरी से कई शहरों में सुसमाचार का प्रचार करने गया, यह जानते हुए कि विरोध और खतरा होगा। आज हम छोटी-छोटी समस्याओं, संघर्षों और विरोधों को देखते हुए निराश और कमजोर हो गए हैं। परन्तु प्रभु के प्रति पौलुस के उत्साह ने उसे अंत तक दौड़ने पर मजबूर किया। आज जब हम इतने जोश से भर जाएंगे तो परमेश्वर के लिए बड़े-बड़े काम कर सकते हैं!

प्रिय युवाओं, यदि 2000 वर्ष पहले जीवित पौलुस ने सुसमाचार का प्रचार करने के लिए इतनी मेहनत की, तो सोचिए कि इन अंतिम दिनों में रहने वाले हम लोगों को कितनी मेहनत करनी चाहिए। पौलुस ने आराम और अवसरों की कमी के समय में भी अथक रूप से सुसमाचार का प्रचार किया है। लेकिन आज हम इतनी सारी सुविधाओं और अवसरों के बावजूद सुसमाचार का प्रचार नहीं कर रहे हैं। यीशु पौलुस की प्रतीक्षा कर रहे हैं जो यीशु के प्रेम और उत्साह से भरे हुए हैं, ताकि वे आगामी अंत समय के जागृति में उठ सकें!

क्या आज आप यीशु की आवाज़ सुनने, उसके लिए काम करने और नष्ट हो रही आत्माओं को बचाने के लिए अपना जीवन उसे समर्पित कर देंगे?

"... फिर भोजन कर के बल पाया। वह कई दिनों उन चेलों के साथ दमिश्क में थे। और वह तुरंत आराधनालयों में यीशु का प्रचार करने लगा कि वह परमेश्वर का पुत्र है।" (प्रेरित 9:19,20)

प्रार्थना मार्गदर्शिका

अगस्त 2023

1. आइए हम भारतीय रेलवे में काम करने वाले 14 लाख कर्मचारियों की सुरक्षा और बुद्धि के लिए प्रार्थना करें।

2. आइए हम अपने रेल मंत्री श्री.अश्विनी वैष्णव से इस विभाग का अच्छी बुद्धि के साथ नेतृत्व करने के लिए प्रार्थना करें।

3. आइए हम रेल दुर्घटना की रोकथाम और यात्रा करने वाले सभी लोगों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें।

4. आइए हम लाखों लोगों की सुरक्षित यात्रा के लिए प्रार्थना करें।

5. आइए हम सरकार से प्रार्थना करें कि वह रेलवे क्षेत्र में रिक्तियों को भरे और योग्य लोगों को रोजगार दे।

6.आइए हम प्रार्थना करें क्योंकि उत्तर भारत में गर्मी के कारण 100 लोगों की मौत हो गई। प्रार्थना करें कि लू का प्रकोप कम हो और मौतें रुकें।

7.आइए हम बुखार और सांस की तकलीफ से पीड़ित लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना करें।

8.आइए हम प्रार्थना करें कि कृषि बारिश की कमी से अप्रभावित रहे और भूमि पर सही समय पर बारिश हो और कृषि समृद्ध हो।

9. आइए हम अच्छे मौसम की स्थिति के लिए प्रार्थना करें ताकि जिन लोगों की आय का मुख्य स्रोत खेती है, वे भीषण गर्मी या बारिश से प्रभावित न हों।

10. आइए हम संकटग्रस्त जल संसाधनों और सुरक्षित पेयजल के लिए प्रार्थना करें।

11. भारत का 70% पानी मानव उपभोग के लिए उपयुक्त नहीं है। इसलिए, सभी को स्वच्छ पानी मिले, इसके लिए प्रार्थना करें।

12. आइए हम मणिपुर राज्य में हिंसा से पीड़ित परिवारों की सांत्वना के लिए प्रार्थना करें।

13.आइए हम हिंसा भड़काने वाले शैतान के कार्यों के विनाश और हिंसा की रोकथाम के लिए प्रार्थना करें।

14. 315 से अधिक चर्चों को ध्वस्त कर दिया गया है और जमीन पर गिरा दिया गया है। आइए हम प्रार्थना करें कि चर्च फिर से बनाए जाएं और जल्द ही आराधनाएं शुरू हो।

15. आइए हम पादरियों और विश्वासियों के विश्वास को मजबूत करने और मणिपुर राज्य में प्रभु की शक्ति को प्रकट करने के लिए प्रार्थना करें।

16.मणिपुर राज्य की शांति और मुक्ति के लिए प्रार्थना करें।

17. आइए हम विभाग को अच्छी तरह से चलाने के लिए केंद्रीय जिला कर बोर्ड के अध्यक्ष श्री नितिन गुप्ता की सुरक्षा और बुद्धि के लिए प्रार्थना करें।

18.आइए हम आयकर विभाग में काम करने वाले 46,000 कर्मचारियों पर परमेश्वर के शासन के लिए प्रार्थना करें।

19. आइए हम आयकर अधिकारियों के लिए ईमानदारी और सच्चाई से काम करने के लिए प्रार्थना करें।

20.आइए हम प्रार्थना करें कि आयकर विभाग में भ्रष्टाचार पूरी तरह से बंद हो जाए।

21.आइए हम इस्राएल की जागृति और उसके 90.62 मिलियन लोगों के उद्धार के लिए प्रार्थना करें।

22.आइए हम इस्राएल के राष्ट्रपति श्री इसहाक हर्ज़ोग और प्रधान मंत्री श्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिए प्रार्थना करें कि परमेश्वर उनका उपयोग और रक्षा करेंगे।

23.आइए हम इस्राएल में रहने वाले यहूदियों, इस्लामवादियों, ड्रूज़, अरबियों और अर्मेनियाई लोगों के लिए प्रार्थना करें कि वे यीशु को स्वीकार करें।

24. आइए हम इस्राएल की भूमि के प्राकृतिक संसाधनों, खनिज संसाधनों, जल निकायों और कृषि के आशीर्वाद के लिए प्रार्थना करें।

25.आइए हम पड़ोसी देशों के हमलों से इस्राइल की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें।

26. आइए हम परिवारों और चर्चों में पवित्र आत्मा के जागृति के लिए प्रार्थना करें।

27. आइए हम न्यायपालिका विभाग में जागृति के लिए प्रार्थना करें और न्यायाधीशों और वकीलों को बचाए जाने और परमेश्वर के गवाह के रूप में रहने के लिए प्रार्थना करें।

28.आइए हम स्कूलों और कॉलेजों में अपने छात्रों के बीच जागृति की लहर के लिए प्रार्थना करें और शिक्षकों को पवित्र आत्मा की अग्नि से भरने के लिए प्रार्थना करें।

29.आइए हम प्रार्थना करें कि अर्थव्यवस्था को बाधित करने वाली आत्माएं बंध जाएंगी और अर्थव्यवस्था में जागृति की आग भड़क उठे।

30. आइए हम राजनीति में परमेश्वर के शासन और देश पर शासन करने वालों को बचाने के लिए प्रार्थना करें।

परमेश्वर के हृदय का एक व्यक्ति!

दाऊद का प्रारंभिक जीवन

यह वचन" मुझे एक मनुष्य,यिशै का पुत्र दाऊद, मेरे मन के अनुसार मिल गया है..." (प्रेरित.13:22) बाइबिल में दो बार आया है। परमेश्वर ने दाऊद के साथ हमेशा की वाचा बांधी थी। इतना ही नहीं, बल्कि हमने बाइबिल में राजा दाऊद के बारे में भी पढ़ा है, कि दाऊद के वंश के माध्यम से, यीशु मसीह - मसीहा का जन्म हुआ और उन्होंने पूरी दुनिया को मुक्ति प्रदान की। हर महीने, हम प्रत्येक विषय पर ध्यान करते जा रहे हैं कि परमेश्वर ने दाऊद पर इतनी कृपा क्यों की। इस महीने आइए दाऊद के प्रारंभिक जीवन पर चर्चा करें।

दाऊद बेतलहम में रहने वाले दम्पति बोअज़-रूथ का परपोता था। दाऊद के पिता यिशै से पैदा हुए दस बच्चों में से आठ बेटे और दो बेटियाँ थीं। दाऊद सबसे छोटा था। दाऊद नाम का मतलब प्रिय होता है।

आम तौर पर, घर में लोग सबसे छोटे बच्चे से बहुत प्यार करते हैं: वे उन्हें कोई काम नहीं करने देंगे, और वे जो भी मांगेंगे, उन्हें खरीद देंगे, और जब वे कुछ भी गलत करेंगे या जिद करेंगे तब भी उन्हें नहीं मारेंगे। उन्हें प्रिय बच्चे की तरह रखा जाता है. लेकिन दाऊद के साथ ऐसा नहीं था. दाऊद का उसके परिवार के किसी भी सदस्य ने सम्मान नहीं किया था (1 शमु. 16:11)। उसे एक छोटा सा काम सौंपा गया था जो नौकरों द्वारा किया जा सकता था। दाऊद अपने परिवार में एक तिरस्कृत बच्चा था और उसके भाई उससे नफरत करते थे।

दाऊद के तीन बड़े भाई शाऊल की सेना में काम करते थे। जब इस्राएलियों और पलिश्तियों के बीच युद्ध चल रहा था, तो पिता यिशै ने दाऊद को युद्ध के मैदान में मौजूद अपने भाइयों की कुशलक्षेम पूछने के लिए भेजा। जब एलीआब- दाऊद के सबसे बड़े भाई ने जब दाऊद को युद्ध के मैदान में देखा, तो वह न तो उसके पास दौड़कर प्यार से आया, न गले लगाया, न चूमा और न ही प्यार से बात करते हुए कहा, 'तुम यहाँ क्यों आए, युद्ध चल रहा है, जल्दी घर जाओ।'

इसके बजाय, उसने दाऊद के खिलाफ क्रोध में आकर कहा, "तू यहाँ क्यों आया है? और जंगल में उन थोड़ी सी भेड़ बकरियों को तू किसके पास छोड़ कर आया है? तेरा अभिमान और तेरे मन की बुराई मुझे मालूम है, क्योंकि तू तो लड़ाई देखने के लिए यहाँ आया है।" (1 शमु.17:28)

एक बार प्रभु ने शमूएल भविष्यवक्ता को बेतलेहम भेजा, और उसे प्रभु के लिए एक बलिदान तैयार करने और दाऊद के पिता यिशै और उसके परिवार को बलिदान के लिए आमंत्रित करने का आदेश दिया (1 शमूएल 16:3-1)। यिशै के पूरे परिवार ने प्रभु के लिए उस बलिदान में भाग लिया। लेकिन सबसे छोटे बच्चे दाऊद, जो जंगल में भेड़ चरा रहा था, को न तो सूचित किया गया और न ही दावत में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया। दाऊद को यह कितना बुरा लगा होगा?

इस प्रकार दाऊद अपने भाइयों और परिवार से नफरत करता था, रेगिस्तान में भेड़-बकरियों के पीछे भटकता था, और अलगाव में दयनीय जीवन जीता था।

फिर भी, इस स्थिति में, दाऊद प्रभु में दृढ़ता से खड़ा रहा और अटूट विश्वास में बढ़ता गया और कहा, 'मेरे माता-पिता ने तो मुझे छोड़ दिया है, परंतु यहोवा मुझे सम्भाल लेगा।' (भजन 27:10)। उसे अपने परमेश्वर के करीब रहने का अनुभव था जो कि प्रभुओं का प्रभु है। वह आनन्दित हुआ और नए गीत गाकर प्रभु की महिमा की।

मेरे प्यारे युवा हृदयों! इस महीने हमने दाऊद के शुरुआती जीवन पर नजर डाली। अगले महीने, हम उन घटनाओं पर नजर डालेंगे जो दाऊद के जीवन में तब घटीं जब परमेश्वर ने उसे कम उम्र में अभिषेक किया।

जारी रहेगा....

अश्शूर

प्रिय युवाओं! हर महीने आपको "बाइबल में स्थान" विषय के अंतर्गत बाइबल में वर्णित कुछ राष्ट्रों और उनके महत्वपूर्ण शहरों के बारे में कई रोचक तथ्य जानने को मिल रहे हैं। इस महीने आइए हम "अश्शूर" पर संक्षेप में बात करें।

अश्शूर नाम के पीछे का कारण

शेम के पुत्र और नूह के पोते अशूर ने नीनवे को बसाया। इसलिए अश्शूर नाम अशूर से लिया गया। (उत्पत्ति 10:11,22)

परिचय

- अश्शूर एक मजबूत राष्ट्र था जो हिद्देकेल या टाइगर्स नदी के किनारे स्थित था।
- "निनवे" अश्शूर की राजधानी है (योना को इस शहर को चेतावनी देने के लिए भेजा गया था)।
- इश्माएल के वंशज इस राष्ट्र में बस गए (उत्पत्ति 25:18)।
- अश्शूर राज्य से संबंधित शहर अशूर, निम्रोद और नीनवे हैं।

अश्शूर का महत्व

- यह प्राचीन मेसोपोटामिया सभ्यता के पश्चिमी भाग में स्थित है।
- यह वर्तमान इराक, ईरान, कुवैत और सीरिया में स्थित है।
- दुनिया के 1-4 मिलियन अश्शूर के लोगों में से अधिकांश आज भी अपने पारंपरिक शहर के आसपास रहते हैं।
- अश्शूर के प्रसिद्ध राजा सन्हेरीब, एसरहद्दोन और अशर्बनिपाल हैं।

अश्शूर का पतन

- 627 ईसा पूर्व में, अश्शूर के राजा, अशर्बनिपाल ने कई सुधार किए। उस समय, मादियों ने खुद को मजबूत किया और नीनवे को घेर लिया।
- लेटर, मादियों और बेबीलोनियों ने मिलकर नीनवे पर कब्ज़ा कर लिया।
- इसके अलावा, अश्शूर का पतन की भविष्यवाणी पहले से ही की गई थी (यशायाह 10:5-19; नहूम 3:18,19; सफन्याह .2:13-15)। जैसा कि भविष्यवाणी की गई थी, अश्शूर 606 ईसा पूर्व में समाप्त हो गया।

उस धोखेबाज याकूब को उसकी आज्ञाकारिता के कारण आशीष मिली!

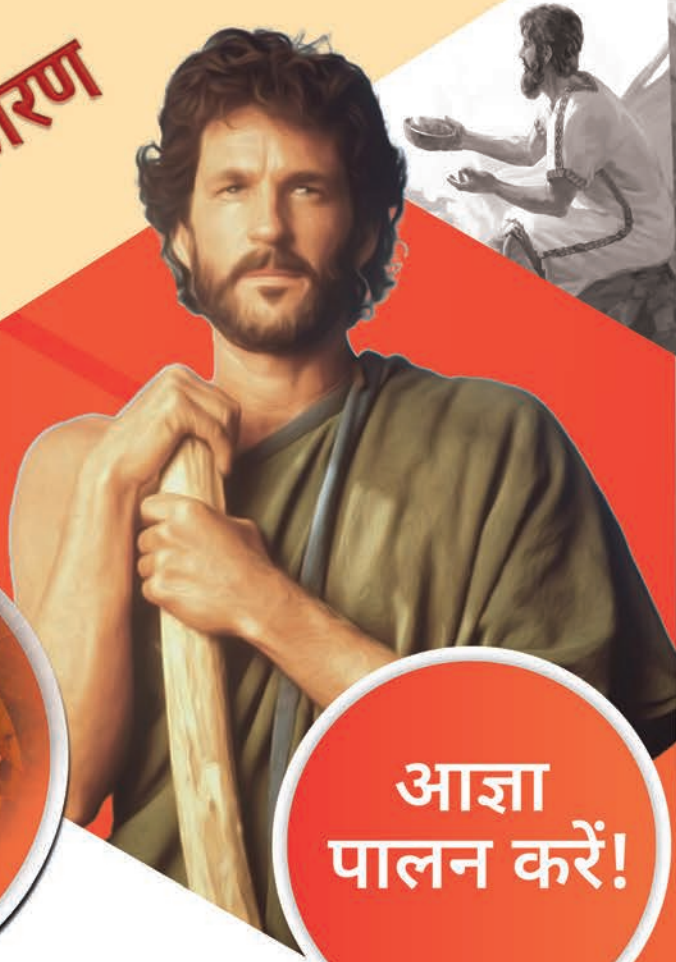

आज्ञा पालन करें!

हमारे प्रभु यीशु को प्रिय युवा पुष्पक! मैं हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम पर आपका अभिवादन करता हूँ। आप सब कैसे हैं? एक नया शैक्षणिक वर्ष, नए दोस्त, नया स्कूल, नई कक्षाएँ, नए शिक्षक, सब कुछ नया है। दो महीने बीत गए। तुम खुश हो है ना? खूब खुशी-खुशी पढ़ो और खुशबूदार फूल बनो। आपकी प्रगति आपके माता-पिता को गौरवान्वित करे।

याकूब का अर्थ है अनुसरण करने वाला, और दूसरा सामान्य समकक्ष शब्द है 'धोखा देने वाला' जिसका अर्थ है धोखा देने वाला। एसाव और याकूब जुड़वां थे। इसमें याकूब एक बड़ा धोखेबाज था।

उसने अपने भाई एसाव को मसूर की दाल पकाई, जो थका हुआ और भूखा था, उसने बड़ी चालाकी से पहले जन्मे एसाव का जन्मसिद्ध अधिकार छीन लिया। (उत्पत्ति 25:33)

अपनी माँ द्वारा गुमराह किये जाने के कारण, उसने अपने पिता को धोखा दिया और उन सभी आशीर्वादों को लिया जो उसके पिता इसहाक अपने सबसे बड़े पुत्र एसाव को देने वाले थे (उत्पत्ति 27:35)।

याकूब, जो धोखा देने और इस तरह जीवित रहने में बहुत कुशल और चालाक है, कहता है, "... कि मैं जो अपनी छड़ी ही लेकर इस यरदन नदी के पार उतर आया, और मेरे दो दल हो गए हैं" (उत्पत्ति 32:10) और प्रभु द्वारा उसे दिए गए आशीर्वाद को याद करता है। प्रभु ने याकूब को जो दूसरों को धोखा देकर जीवित रहा, कैसे बढ़ा दिया?

उसने अपने माता-पिता की आज्ञा मानी:

यह पद इस प्रकार शुरू होता है, "याकूब माता-पिता की बात मानकर..." (उत्पत्ति 28:7)। यह जानते हुए कि उस धोखा मिला है, एसाव जानलेवा हिंसा पर उतारू है। इन परिस्थितियों में, 40 वर्ष की आयु में, उसने अपने माता-पिता की बात मानी और बेर्शेबा छोड़ दिया, वह शहर जहाँ वह 40 वर्षों तक बड़ा हुआ था। वह अपने मामा लाबान के पास, पद्दनराम की भूमि पर जाता है, जो लगभग 150 किलोमीटर दूर था। उसने अपने माता-पिता से यह कहते हुए बहस नहीं की, "मैं यहीं रहूंगा। एसाव क्या कर सकता है? मुझे देखने दो क्या होता है"। इसके बजाय, वह जो अपनी माँ के आलिंगन में बड़ा हुआ, अपने प्यारे माता-पिता से अलग हो गया जो उससे बहुत प्यार करते थे, उसने अपने जन्म के घर को छोड़ दिया, वह शहर जहाँ वह बड़ा हुआ, उसके रिश्तेदारों को, अपने माता-पिता की बात मानी और अपने हाथ में एक छड़ी के साथ निकल पड़ा। बिना किसी मार्गदर्शन के कई अकेली रातें गुजारते हुए, उसने अपने रिश्तेदारों की ओर अकेले ही अपनी यात्रा जारी रखी, जिन्हें उसने पहले कभी नहीं देखा था। यद्यपि यह सोचा गया था कि, याकूब एक धोखेबाज था, हम उत्पत्ति अध्याय 32 में पढ़ सकते हैं कि, परमेश्वर ने उसे अविश्वसनीय रूप से आशीष दी क्योंकि उसने अपने माता-पिता के वचन का पालन किया और अपने हाथ में सिर्फ एक छड़ी लेकर चला गया था।

मेरे प्यारे बच्चों! क्या आप अपने माता-पिता की आज्ञा मानते हैं? हमारे प्रभु कहते हैं, ''हे मेरे पुत्र, अपने पिता की शिक्षा पर कान लगा, और अपनी माता की शिक्षा को न तज" (नीतिवचन 1:8) और ''...अपने पिता की आज्ञा को मान..." (नीतिवचन 6:20)। आपके पिता और माता ही दो ऐसे प्राणी हैं जो इस दुनिया में वास्तव में आपके लिए जीते हैं। कभी-कभी इस उम्र में वे जो सलाह देते हैं उसे सुनना थोड़ा कठिन होता है।

लेकिन, आप ऐसे शब्द क्यों उगलते हैं जैसे, "आपने मुझे जन्म क्यों दिया? आप पुराने ज़माने के आदमी हो! आप क्या जानते हो? क्या तुम एक माँ हो? मैं आपसे क्यों आया?" आप कितने कठोर शब्द बोलते हैं! कुछ युवा ऐसे शब्द कहकर अपने पिता का अपमान और अनादर करते हैं, अपनी माँ को कहते हैं, "देखो माँ, सुनिश्चित करो कि तुम्हारा पति मेरी सीमा का उल्लंघन न करे!" प्रिय पुत्र, चाहे तुम कितने ही शिक्षित और बुद्धिमान क्यों न हो, वचन कहता है कि यदि तुम अपने पिता का तिरस्कार करते हो तो तुम मूर्ख हो (नीतिवचन 15:5), हाय उस पर जो पिता से कहता है, 'तू क्या जन्माता है?' और माँ से कहे,' तू किसकी माता है?" (यशायाह 45:10)। और यह लिखा है, "... मूढ़ के पिता को आनंद नहीं होता" (नीति वचन 17:21)। क्या आपके माता-पिता आपके कारण खुश हैं?

मेरे प्यारे युवाओं! यदि आप अपने माता-पिता की अवज्ञा करते हैं, तो यह आपके जीवन में अभिशाप बना रहेगा। आप निश्चित रूप से एक आशीष नहीं हो सकते। यह याकूब की आज्ञाकारिता थी कि वह जो अपने हाथ में केवल एक छड़ी लेकर गया था, लगभग 20 वर्षों के बाद अपने गृहनगर लौट आया (उत्प. 31:38), भिखारी के रूप में नहीं, बल्कि एक व्यापारी के रूप में। याकूब जैसे अपने माता-पिता की बात मानें। आपका भविष्य उज्ज्वल होगा।

Coffee with रिपोर्टर

उनमें से जिनका नाम पवित्र बाइबिल में वर्णित नहीं है, लेकिन उनके राष्ट्र के नाम से जानते हैं, इस्राएल राष्ट्र की युवा लड़की उल्लेखनीय है। भले ही वह एक युवा लड़की थी और उसे दास के रूप में कैद किया गया था, यह छोटी लड़की सीरिया के राजा की सेना के सेनापति नामान के जीवन में होने वाले एक महान चमत्कार का कारण थी! नीचे 2 राजा अध्याय 5 में वर्णित इस छोटी लड़की के साथ एक काल्पनिक बातचीत है।

रिपोर्टर: नमस्ते युवा लड़की!

छोटी लड़की: नमस्ते!

रिपोर्टर: क्या आप हमें अपने बारे में कुछ बता सकती हैं?

छोटी लड़की: मेरा जन्म इस्राएल की भूमि में हुआ था। हमारा देश दूध और शहद से बहने वाला एक समृद्ध देश था। यह भूमि उन धन्य लोगों द्वारा बसाई गई थी जिनके प्रभु परमेश्वर हैं। इस देश से मुझे सीरिया की भूमि पर बंदी बनाकर ले जाया गया था।

रिपोर्टर: क्या आप हमें अपने माता-पिता के बारे में बता सकती हैं?

छोटी लड़की: मेरे माता-पिता अपने पूरे दिल, ताकत और आत्मा से परमेश्वर से प्यार करते हैं, परमेश्वर की आज्ञाओं को अपने दिल में रखते हुए, वे न केवल उनका पालन करेंगे, बल्कि उन्हें हमें बच्चों के रूप में भी सिखाते थे। इसके अलावा, जब हम अपने घर में बैठते हैं, खड़े होते हैं, लेटते हैं या चलते हैं तो वे प्रभु की आज्ञाओं के बारे में बात करते थे। वे उन्हें हमारे घर की चौखटों और हमारे फाटकों पर लिखते थे। इस हद तक, मेरे माता-पिता पवित्र थे.

रिपोर्टर: मेरा मानना है कि आप ऐसे पवित्र माता-पिता के पालन-पोषण के माध्यम से पूरे राष्ट्र को परमेश्वर के नाम को जानने और महिमा देने का कारण बने हैं। अच्छा... आपने अपने स्वामी को नबी के पास जाने के लिए क्यों कहा?

छोटी लड़की: प्राचीन समय में, यदि इस्राएल में कोई भी परमेश्वर से पूछना चाहता था, तो वह नबी के पास

जाता था। सामरिया के भविष्यवक्ता एलीशा ने कई चमत्कार किए, जैसे कि लोहे को तैराना, खराब पानी को ठीक करना, शूनेमीन के बेटे को जीवित करना, और भी बहुत कुछ। इसलिये यह सोचकर कि यदि मेरा स्वामी उसके पास जाएगा, तो वह चंगा हो जाएगा, मैं ने उस से भविष्यद्वक्ता के पास जाने को कहा।

रिपोर्टर: क्या आप उन लोगों से नाराज़ नहीं थे जिन्होंने आपको कैद किया?

छोटी लड़की: शुरू में मैं उनसे दुखी और डरती थी। चाहे मैंने उनसे मुझे छोड़ देने के लिए कितना ही आग्रह किया हो, उन्होंने कभी मेरी बात नहीं सुनी। मैं यह जानकर शांत रही कि योद्धाओं की शक्ति के सामने न तो मेरा गुस्सा और न ही मेरे प्रयास काम आएंगे। लेकिन मैं उन्हें कष्ट नहीं होने दे सकती थी। क्या बुराई करने वालों के साथ भलाई करना परमेश्वर का स्वभाव नहीं है? मेरा हृदय मेरे स्वामी नामान के कुष्ठ रोग के निवारण की अभिलाषा करता रहा। इसलिए, मैंने उससे मेरे देश में भविष्यवक्ता एलीशा के पास जाने का अनुरोध किया। उन्होंने मेरे शब्दों को यह कहते हुए नजरअंदाज नहीं किया कि "वह सिर्फ एक छोटी लड़की है" और तुरंत इस्राएल की भूमि पर चले गए।

रिपोर्टर: जब आपके मालिक ठीक हो गए तो आपको कैसा महसूस हुआ?

छोटी लड़की: मैंने अपने मालिक के शरीर को घावों से बदबूदार होते देखा है। जब वह इस्राएल देश से लौटे, तो मैं यह देखकर आश्चर्यचकित और प्रसन्न हूई कि उनका शरीर एक छोटे बच्चे के मांस जैसा था। मैंने प्रभु के पराक्रमी कार्यों के बारे में सोचकर उसकी स्तुति की। 'मेरे स्वामी ने घोषणा कि इस्राएल के परमेश्वर के अलावा पृथ्वी पर कोई अन्य ईश्वर नहीं है। उसने यह भी कहा कि वह अब विदेशी देवताओं को होमबलि और बलिदान नहीं चढ़ाएगा और केवल इस्राएल के परमेश्वर की सेवा करेगा'। जब मैंने ये शब्द सुने तो मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

रिपोर्टर: मैं इस बात के लिए प्रभु की स्तुति करता हूं कि इतनी कम उम्र में आपके द्वारा पूरे सीरिया देश में उनका नाम जाना और महिमामंडित किया गया। बहन आपको धन्यवाद!

छोटी लड़की: धन्यवाद, अलविदा!

मेरे प्यारे युवा भाइयों और बहनों! इस छोटी लड़की ने साबित कर दिया है कि शब्दों या कार्यों के माध्यम से परमेश्वर का नाम घोषित करने के लिए उम्र कभी भी बाधा नहीं बनती है।

आप भी "मैं बहुत छोटा हूं, मैं अच्छा नहीं बोल सकता, मुझे ज्यादा ज्ञान नहीं है, यह परमेश्वर के सेवकों का काम है" जैसे सभी बहाने छोड़ दें और अपने शब्दों और कार्यों से न केवल उन लोगों के लिए जो आपके साथ अच्छा करते हैं, बल्कि उन लोगों के लिए भी परमेश्वर के नाम और महानता का प्रचार करना शुरू करें जो आपके साथ बुरा करते हैं और जो आपसे नफरत करते हैं। क्या आप करेंगे?

दबोरा

पढ़ने के लिए: न्यायियों - अध्याय 4 और 5

यहोशू के बाद, परमेश्वर ने ओत्नीएल, एहुद, शमगर और दबोरा जैसे कई न्यायियों को खड़ा किया। हमने पिछले 3 महीनों में 3 न्यायियों के बारे में पढ़ा है। आइए इस महीने महिला न्यायी और भविष्यवक्ता दबोरा के बारे में जानें। दबोरा का अर्थ है "मधुमक्खी"। वह धर्मशास्त्र में वर्णित एकमात्र महिला न्यायी थी।

गुण

- उसे परमेश्वर का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।
- उसने तुरंत परमेश्वर के निर्देश का पालन किया।
- उसने न केवल भविष्यवाणी की, बल्कि बराक को युद्ध में जाने के लिए प्रोत्साहित किया।
- वह विश्वास और साहस के साथ युद्ध के मैदान में गई जहां महिलाएं नहीं जाती थीं।
- उसने अपनी जीत पर गर्व किए बिना प्रभु की महिमा की।
- उन्हें इस्राएलियों की माता कहा जाता था।

ताकत और उपलब्धियां

- उनमें मध्यस्थ, परामर्शदाता, वकील आदि अनेक विशेष गुण थे।
- जब नेतृत्व करने के लिए कहा गया, तो वह योजना बनाने, सलाह देने और जिम्मेदारियाँ साझा करने के लिए तैयार थी।
- वह इस्राएल की चौथी न्यायी और पहली महिला न्यायी थी।
- भविष्यवाणी का वरदान उसके भीतर शक्तिशाली ढंग से काम कर रहा था।
- उसने कई गीत भी लिखे।

पुराने नियम के समय में, किसी महिला का न्यायी के रूप में उभरना असामान्य था। उस समय भी, यदि एक महिला प्रभु के लिए भविष्यवक्ता रही है, तो इस समय में कई महिलाएँ प्रभु के लिए क्यों नहीं खड़ी होंगी? केवल एक मसीही होना व्यर्थ है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि क्या हमारे अंदर मसीह है। यदि आप भविष्यवक्ता के रूप में ऊपर उठना चाहते हैं तो मसीह की छवि अपनाएं।